

शांतिवन परिसर में वैश्विक शिखर सम्मेलन का भव्य एवं सफल आयोजन

ब्रह्माकुमारीज द्वारा नारी शक्ति के सम्मान में किया जा रहा कार्य इतिहास में लिखा जाएगा

शांतिवन। वैश्विक शिखर सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा नारी शक्ति के सम्मान में जो कार्य किया जा रहा है वह इतिहास में लिखा जाएगा। मुझे इस परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा, उत्साह, शान्ति, सद्भाव का प्रेरणादायी अनुभव हुआ। इस संस्थान का 140 देशों में चेतना जागृति, आत्म सशक्तिकरण,

आध्यात्मिक शक्ति हमें सही दिशा दिखाती है: केंद्रीय गृह राज्यमंत्री रेड्डी केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि आध्यात्मिक शक्ति हमें सही दिशा दिखाती है और बुराइयों से मुक्त करती है। राजयोग से जीवन में मन को गहन शांति मिलती है। स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन ब्रह्माकुमारीज का मूल उद्देश्य है। हम उस देश के वासी हैं



शिखर सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद।

राजयोग मेडिटेशन का अनवरत रूप से चल रहा कार्य साधारण नहीं है, यह परमसत्ता का ही कार्य है। परमसत्ता की सच्चाई अविभाज्य है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करती है। जिसके लिए आंतरिक परिवर्तन की शक्ति राजयोग से प्राप्त होती है। अध्यात्म में भी पर्यावरण को सुखद बनाने की परंपरा रही है जिसके परिणामस्वरूप भारतीय संस्कृति में पेड़ों का भी सम्मान होता है। देश में 18 हजार अखबार और 250 न्यूज़ चैनल्स हैं पर आज भी समाज में हो रहे अच्छे कार्य लोगों तक कम ही पहुँच रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज जो व्यक्ति चारित्रिक उत्थान, आध्यात्मिक विकास और संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए कार्य कर रही है, मीडिया उसे लोगों को बताए, लोग सुधरेंगे।

जिसने सदा दिया ही दिया है। संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि धैर्य व्यवहार को मधुर बनाता है। हमारा भारत देवों का स्थान माना जाता है। जहाँ प्रेम, शांति, खुशी का संदेश दिया जाता है। संस्थान के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने पायोनियर के दीपक कुमार झा, नवभारत टाइम्स के चंद्रभूषण और गुलशन राय खत्री का सम्मान किया। साथ ही निर्भया वाहिनी की संस्थापक मानषी प्रधान, तरुणी की संस्थापक ममता रघुवीर, सारथी की संस्थापक कृति भारती का भी सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए ब्रह्माकुमारीज की ओर से सम्मानित किया।

अध्यात्म के जरिये विश्व में शांति लाने का प्रयास प्रशंसनीय

शांतिवन। ब्रह्माकुमारी संस्थान में चल रहे पाँच दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन का समापन लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की अध्यक्षता में हुआ। पाँच दिनों तक चले इस शिखर सम्मेलन में विश्व के 140 देशों के प्रतिनिधियों ने अध्यात्म से एकता व शांति फैलाने की बात कही। समापन समारोह में मौजूद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के परिदृश्य में भारत ही है जो संपूर्ण विश्व में शांति, सद्भाव व समृद्धि का संदेश दे रहा है। उन्होंने कहा कि महात्मा गाँधी जी ने भी वर्षों पहले विश्वभर में शांति और अहिंसा का संदेश दिया था जिसे आज भी दुनिया मानती है। सदियों से भारत विश्व में अध्यात्म की गंगा बहा रहा है।

सांसद देवजी पटेल ने माय इंडिया-ग्रीन इंडिया अभियान की सराहना की वैश्विक शिखर सम्मेलन में मौजूद जालोर-सिरोही सांसद देवजी एम. पटेल ने भी सम्बोधित करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा माय इंडिया-ग्रीन इंडिया अभियान चलाया जा रहा है जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बहुत ही सराहनीय कदम है। संस्था पूरे राजस्थान में सामाजिक सरोकार से जुड़े कई अभियान चला रही है। संस्था का नशा मुक्ति अभियान बहुत ही सराहनीय पहल है। इससे हजारों लोगों के जीवन को नई दिशा मिली है। कार्यक्रम संयोजक राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय की ओर से सभी का स्वागत किया गया।



सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी दादी जानकी। साथ हैं लोकसभा स्पीकर ओम बिरला तथा ब्र.कु. मृत्युंजय।

भारत विश्वगुरु था और फिर से बनने जा रहा है। इसमें ब्रह्माकुमारी संस्थान की अहम भूमिका रहेगी। क्योंकि ये संस्थान न केवल भारत बल्कि विश्व के 140

देशों में अध्यात्म की अलख जगा रहा है। कार्यक्रम के आरंभ में ओम बिरला का माला व साफा पहनाकर स्वागत तथा मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य प्रशासिका 103 साल की दादी जानकी जी ने दिया सभी को सदा खुश रहो और आबाद रहो का आशीर्वाद

इस कार्यक्रम के दौरान संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि परमात्मा मेरा शिक्षक, सखा व माता और पिता भी है। मैं सदा याद रखती हूँ। मैं कौन-आत्मा और मेरा कौन-परमात्मा। हम सभी एक ही ईश्वर की संतान हैं। यदि जीवन में प्रेम और सच्चाई है तो खुशी अपने आप आ जाएगी। इसके बाद दादी जानकी जी ने सभी को सदा खुश रहो-आबाद रहो का आशीर्वाद दिया।

मेरा भारत, हरित भारत अभियान में कार्य करने वाले हुए सम्मानित

कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और दादी जानकी द्वारा ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से चलाए गए मेरा भारत-हरित भारत अभियान के तहत कार्य करने वाले संस्था के भाई-बहनों को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जयपुर से आए न्यू इंडियन एक्सप्रेस के सीनियर असिस्टेंट एडिटर राजेश असनानी, भास्कर न्यूज़ की स्थानीय संपादक ब्र.कु. प्रियंका कौशल, दिल्ली यू.एन.आई. की चीफ सब एडिटर शिवानी नौरियाल, नोएडा से आई न्यूज़ 24 की एसोसिएट एडिटर कविता सिंह चौहान को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया।



जापानी सिंगर लेरिया लोटा को मोमेन्टो देकर सम्मानित करते हुए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला। साथ हैं राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय।

रशिया के सिंगर ने हिंदी व संस्कृत में सुनाई माँ दुर्गा स्तुति, अल्बर्ट ने वंदे मातरम्... गाया

देश-विदेश से आए कलाकारों की ओर से विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। इस दौरान कार्यक्रम में रशिया के सिंगर अल्बर्ट ने वंदे मातरम्... व मेरा जूता है जापानी... गीत गाया। वहीं जापानी सिंगर लेरिया लोटा ने हिन्दी एवं संस्कृत में माँ दुर्गा की स्तुति की। 250 कलाकारों ने बनाई पेंटिंग्स। इन प्रस्तुतियों ने मौजूद लोगों की खूब तालियाँ बटोरी। अतिथियों द्वारा कलाकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आबू-पिंडवाड़ा विधायक समाराम गरासिया, रेवदर विधायक जगसीराम कोली, मल्टीमीडिया चीफ ब्र.कु. करुणा आदि उपस्थित रहे।

'खुशियां आपके द्वार' विषय पर विशेषज्ञा ब्रह्माकुमारी शिवानी ने बताये खुशहाल रहने के तरीके

भोपाल-म.प्र.। मन में कैसे संकल्पों को क्रियेट करना है, मुझे कैसा फील करना है, मेरी मानसिक स्थिति क्या है, कोई भी परिस्थिति मेरी मन की स्थिति को डिस्टर्ब तो नहीं करती, ये मेरा चुनाव है। हमारे जैसे संकल्प होंगे वैसी वाणी होगी। जैसी वाणी होगी वैसे कर्म होंगे। जैसे कर्म होंगे वैसा हमारा संस्कार(आदत) बन जाएगा जो हमारे भाग्य का निर्माण करता है। हम अपना भाग्य कैसा बनाना चाहते हैं, ये हम पर निर्भर करता है। इसलिए मन में किसी भी संकल्प का चुनाव या क्रियेट करने के पहले सोचें। सोचने के पहले भी सोचें कि क्या वह संकल्प मेरे लिए ठीक है। उक्त विचार जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने मिंटो हॉल में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित 'खुशियां आपके द्वार' विषयक कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने संकल्प, कर्म, संस्कार, भाग्य और



कार्यक्रम में सभी को खुशहाल जीवन जीने की कला सिखाते हुए जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा राजयोगिनी ब्र.कु. शिवानी।

पारिवारिक सम्बन्धों को मधुर और जीवन को सुखी बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

» सुबह उठते ही मन में पॉवरफुल थॉट्स क्रियेट करें

विशेषज्ञा ने कहा कि सुबह उठते ही सबसे पहले अपने मन में पॉवरफुल थॉट्स क्रियेट करें। दो मिनट या पाँच मिनट परमात्मा का

ध्यान करें। हर दिन एक पॉजीटिव, पॉवरफुल संकल्प लें कि मैं आज इसका पूरी तरह से पालन करूंगा। उसे दिन में बीच-बीच में दोहराते रहें ताकि याद बनी रहे। सुबह उठने के बाद एक घंटे तक मोबाइल और वॉट्सएप से दूर रहें। राजयोगी वही है जिसका अपने मन-वचन और कर्म पर नियंत्रण है। जो आत्मा खुद पर

राज करती है वही राजयोगी है। राजयोग मेडिटेशन वह विधि है जिसके माध्यम से हम परमात्मा से अपना सम्बन्ध जोड़ते हैं। सुबह मेडिटेशन से परमात्मा से एनर्जी लेने पर हम सारा दिन अच्छे से वर्क कर सकते हैं।

» माफ कर दें और माफी मांग लें यदि हम इस जन्म के कड़े

संस्कारों, बुरे अनुभवों, घटनाओं को अगले जन्म में अपने साथ नहीं ले जाना चाहते हैं तो लोगों को माफ कर दें और उनसे मन ही मन माफी मांग लें। हमें लाइट या हल्के रहना है तो पुरानी बातें छोड़नी होंगी। क्योंकि ज्यादा दिन तक पुरानी बातों को मन में रखने से आत्मा भारी होती है और मन कमजोर हो जाता है। हमने कल नाश्ता क्या किया था ये ज्यादातर लोगों को याद नहीं होगा पर किसी ने एक बात दस साल पहले कही होगी तो वह आज भी याद होगी। पुरानी बातों को मन में रखकर चलना बोझा ढोने के समान है।

» मन के दीपक को जलाएं, अंधेरा भाग जाएगा

दीपावली की तरह अपने मन के आँचल में ज्ञान का, पवित्रता और शुद्ध विचारों के दीप जलाएं तो अज्ञान का अंधकार भाग जाएगा। दीपावली में एक दीपक से हम

- लोगों ने विशेषज्ञा से सीखे खुश रहने के तौर-तरीके
- मन में कैसे संकल्पों को रचना है- ये मेरा चुनाव
- कार्यक्रम में आई.ए.एस, आई.पी.एस, जनप्रतिनिधि, डॉक्टर सहित बड़ी संख्या में लोग हुए शरीक

हजारों दीपक जगाते हैं, इसलिए आज से अपने घर का दीपक आप बनें। खुद की ज्योत को सदा पॉजीटिव संकल्पों से जगाए रखेंगे तो परिवार के अन्य सदस्यों की ज्योत आपको देखकर ही जग जाएगी।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज भोपाल जोन की डायरेक्टर राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश दीदी, ब्र.कु. नीता सहित शहर के प्रमुख अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।